Kuber Chalisa

॥ दोहा ॥

जैसे अटल हमिालय और जैसे अडगि सुमेर ।
ऐसे ही स्वर्ग द्वार पै, अवचिल खड़े कुबेर ॥

वघि्न हरण मंगल करण, सुनो शरणागत की टेर ।
भक्त हेतु वतिरण करो, धन माया के ढ़ेर ॥

॥ चौपाई ॥

जै जै जै श्री कुबेर भण्डारी ।
धन माया के तुम अधकिारी ॥ 1 ।

तप तेज पुंज नरि्भय भय हारी ।
पवन वेग सम सम तनु बलधारी ॥ 2 ।

स्वर्ग द्वार की करें पहरे दारी ।
सेवक इंद्र देव के आज्ञाकारी ॥ 3 ।

यक्ष यक्षणी की है सेना भारी ।
सेनापत बिने युद्ध में धनुधारी ॥ 4 ।

महा योद्धा बन शस्त्र धारैं ।
युद्ध करैं शत्रु को मारैं ॥ 5 ।

सदा वजियी कभी ना हारैं ।
भगत जनों के संकट टारैं ॥ 6 ।

प्रपतिामह हैं स्वयं वधिाता ।
पुलस्ति वंश के जन्म वख्यिाता ॥ 7 ।

वशि्रवा पति इडवडि जी माता ।
वभिीषण भगत आपके भ्राता ॥ 8 ।

शवि चरणों में जब ध्यान लगाया ।
घोर तपस्या करी तन को सुखाया ॥ 9 ।

शवि वरदान मलि देवत्य पाया ।
अमृत पान करी अमर हुई काया ॥ 10 ।

धर्म ध्वजा सदा लए हाथ में ।
देवी देवता सब फरैं साथ में ॥ 11 ।

पीताम्बर वस्त्र पहने गात में ।
बल शक्त पूरी यक्ष जात में ॥ 12 ।

स्वर्ण सहिासन आप वरिाजैं ।
त्रशिूल गदा हाथ में साजैं ॥ 13 ।

शंख मृदंग नगारे बाजैं ।
गंधर्व राग मधुर स्वर गाजैं ॥ 14 ।

चौसठ योगनी मंगल गावैं ।
ऋद्धि सिद्धि निति भोग लगावैं ॥ 15 ।

दास दासनी सरि छत्र फिरावैं ।
यक्ष यक्षणी मलि चंवर ढूलावैं ॥ 16 ।

ऋषियों में जैसे परशुराम बली हैं ।
देवन्ह में जैसे हनुमान बली हैं ॥ 17 ।

पुरुषोंमें जैसे भीम बली हैं ।
यक्षों में ऐसे ही कुबेर बली हैं ॥ 18 ।

भगतों में जैसे प्रहलाद बड़े हैं ।
पक्षियों में जैसे गरुड़ बड़े हैं ॥ 19 ।

नागों में जैसे शेष बड़े हैं ।
वैसे ही भगत कुबेर बड़े हैं ॥ 20 ।

कांधे धनुष हाथ में भाला ।
गले फूलों की पहनी माला ॥ 21 ।

स्वर्ण मुकुट अरु देह वशिाला ।
दूर दूर तक होए उजाला ॥ 22 ।

कुबेर देव को जो मन में धारे ।
सदा वजिय हो कभी न हारे । 23 ।

बगिड़े काम बन जाएं सारे ।
अन्न धन के रहें भरे भण्डारे ॥ 24 ।

कुबेर गरीब को आप उभारैं ।
कुबेर कर्ज को शीघ्र उतारैं ॥ 25 ।

कुबेर भगत के संकट टारैं ।
कुबेर शत्रु को क्षण में मारैं ॥ 26 ।

शीघ्र धनी जो होना चाहे ।
क्युं नहीं यक्ष कुबेर मनाएं ॥ 27 ।

यह पाठ जो पढ़े पढ़ाएं ।
दनि दुगना व्यापार बढ़ाएं ॥ 28 ।

भूत प्रेत को कुबेर भगावैं ।
अड़े काम को कुबेर बनावैं ॥ 29 ।

रोग शोक को कुबेर नशावैं ।
कलंक कोढ़ को कुबेर हटावैं ॥ 30 ।

कुबेर चढ़े को और चढ़ादे ।
कुबेर गरि को पुन: उठा दे ॥ 31 ।

कुबेर भाग्य को तुरंत जगा दे ।
कुबेर भूले को राह बता दे ॥ 32 ।

प्यासे की प्यास कुबेर बुझा दे ।
भूखे की भूख कुबेर मिटा दे ॥ 33 ।

रोगी का रोग कुबेर घटा दे ।
दुखिया का दुख कुबेर छुटा दे ॥ 34 ।

बांझ की गोद कुबेर भरा दे ।
कारोबार को कुबेर बढ़ा दे ॥ 35 ।

कारागार से कुबेर छुड़ा दे ।
चोर ठगों से कुबेर बचा दे ॥ 36 ।

कोर्ट केस में कुबेर जितावै ।
जो कुबेर को मन में ध्यावै ॥ 37 ।

चुनाव में जीत कुबेर करावैं ।
मंत्री पद पर कुबेर बिठावैं ॥ 38 ।

पाठ करे जो नित मन लाई ।
उसकी कला हो सदा सवाई ॥ 39 ।

जिसपे प्रसन्न कुबेर की माई ।
उसका जीवन चले सुखदाई ॥ 40 ।

जो कुबेर का पाठ करावै ।
उसका बेड़ा पार लगावै ॥ 41 ।

उजड़े घर को पुनः बसावै ।
शत्रु को भी मित्र बनावै ॥ 42 ।

सहस्त्र पुस्तक जो दान कराई ।
सब सुख भोग पदार्थ पाई ॥ 43 ।

प्राण त्याग कर स्वर्ग में जाई ।
मानस परिवार कुबेर कीर्ति गाई ॥ 44 ।

॥ दोहा ॥

शिव भक्तों में अग्रणी, श्री यक्षराज कुबेर ।
हृदय में ज्ञान प्रकाश भर, कर दो दूर अंधेर ॥

कर दो दूर अंधेर अब, जरा करो ना देर ।
शरण पड़ा हूं आपकी, दया की दृष्टि फेर ।